

काँवड़ यात्रा

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [सरवोच्च न्यायालय](#) ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश सरकारों के विवादास्पद आदेशों पर रोक लगा दी, जिसके तहत [काँवड़ यात्रा \(पवतिर यात्रा\)](#) के मार्ग पर स्थिति होटलों, दुकानों, भोजनालयों और ढाबों पर [मालिकों के नाम प्रदर्शित](#) करना अनविरय कर दिया गया था।

मुख्य बंदि

- काँवड़ यात्रा भगवान शवि के भक्तों द्वारा श्रावण माह में की जाने वाली एक हदू तीरथयात्रा है।
- भक्तगण उत्तराखंड में [हरदिवार](#), [गौमुख](#), [गंगोत्री](#), बिहार में [सुल्तानगंज](#), उत्तर प्रदेश में [प्रयागराज](#), [अयोध्या](#) और [वाराणसी](#) जैसे तीरथ स्थानों की यात्रा करते हैं तथा शवि का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिये काँवड़ में गंगा जल लेकर लौटते हैं।
 - जल को शवि मंदिरों में चढ़ाया जाता है, जिसमें भारत के [12 ज्योतरिलिग](#) और उत्तर प्रदेश में पुरा महादेव मंदिर तथा औघड़नाथ, प्रसदिध [काशी वशि्वनाथ मंदिर](#) एवं झारखंड के देवघर में [बाबा बैदयनाथ मंदिर](#) जैसे अन्य मंदिर शामिल हैं। इस अनुष्ठान को [जल अभषिक](#) के नाम से जाना जाता है।

12 ज्योतरिलिग

- ज्योतरिलिग एक तीरथस्थल है जहाँ भगवान शवि की ज्योतरिलिग के रूप में पूजा की जाती है।
- प्रत्येक ज्योतरिलिग भगवान शवि का एक अलग स्वरूप है।
- वर्तमान में भारत में 12 मुख्य ज्योतरिलिग हैं। ये हैं:
 - गरि, गुजरात में [सोमनाथ ज्योतरिलिग](#)
 - शरीशैलम, आंध्र प्रदेश में [मललकारजुन ज्योतरिलिग](#)
 - मध्य प्रदेश के उज्जैन में [महाकालेशवर ज्योतरिलिग](#)
 - मध्य प्रदेश के खंडवा में [ऑंकारेशवर ज्योतरिलिग](#)
 - देवघर, झारखंड में [बैदयनाथ ज्योतरिलिग](#)
 - महाराष्ट्र में [भीमाशंकर ज्योतरिलिग](#)
 - तमलिनाडु के रामेश्वरम में [रामनाथस्वामी ज्योतरिलिग](#)
 - गुजरात के द्वारका में [नागेश्वर ज्योतरिलिग](#)
 - [काशी वशि्वनाथ ज्योतरिलिग](#), वाराणसी, उत्तर प्रदेश
 - [त्र्यंबकेश्वर ज्योतरिलिग](#) नासकि, महाराष्ट्र में है
 - रुदरप्रयाग, उत्तराखंड में [केदारनाथ ज्योतरिलिग](#)
 - महाराष्ट्र के औरंगाबाद में [घृष्णेश्वर ज्योतरिलिग](#)